RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

तुम्बाड 2 की रहस्यमयी दुनिया का हिस्सा बनना सपने के सच होने जैसा: आलिया भट्ट

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 172 | WEDNESDAY DATE 15-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

एमसीडी 24 'निगम श्री' स्कूल करेगी शुरू, 12 जोन में फुटबॉल प्रीमियर लीग का भी होगा आयोजन

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई । राजधानी में शिक्षा और खेल गतिविधियों को नई गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। निगम जल्द ही 24 'निगम श्री' स्कूल शुरू करेगा। इसके साथ दिल्ली के सभी 12 जोन में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फुटबॉल प्रीमियर लीग का आयोजन भी किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने मंगलवार को जानकारी दी कि दिल्ली नगर निगम 'निगम श्री' शुरू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में आधुनिक शिक्षा, बेहतर आधारभूत सुविधाएं, स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल शिक्षण व्यवस्था तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन स्कूलों का उद्देश्य एमसीडी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई पहचान देना है। इसके साथ ही योगेश वर्मा ने बताया कि एमसीडी खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 12 जोन में फुटबॉल प्रीमियर लीग आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिता के माध्यम से निगम विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी खेल वातावरण मिलेगा तथा फुटबॉल के प्रति रुचि रखने वाले बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचंद्र गौड़ का निधन, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई । बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मंत्री रामचंद्र गौड़ा का निधन हो गया। उन्होंने मंगलवार को 88 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता रामचंद्र गौड़ा के निधन से गहरा दुख हुआ है। कर्नाटक में हमारी पार्टी के एक मजबूत स्तंभ के तौर पर उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने और कई पीढ़ियों के कार्यकर्ताओं का साथ देने में अपना जीवन समर्पित कर दिया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि कॉरपोरेटर, एमएलसी या मंत्री- किसी भी भूमिका में, उनका सार्वजनिक जीवन अटूट निष्ठा और समर्पित सेवा का उदाहरण रहा। उनके परिवार, समर्थकों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने भी रामचंद्र गौड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें एक अनुभवी नेता बताया। शोभा करंदलाजे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि मुझे रामचंद्र गौड़ के निधन से दुख हुआ है। उन्होंने भारतीय जनसंघ से लेकर भाजपा तक राष्ट्रवादी आंदोलन के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

राहुल का छात्रों से 17 जुलाई को देहरादून में 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने का आ'ान किया

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक तथा शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ 17 जुलाई को देशभर के छात्रों से देहरादून में आयोजित 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने का आ'ान करते हुए कहा है कि शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के लिए व्यापक जन आंदोलन जरूरी है। श्री गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि आज की शिक्षा व्यवस्था में मेहनत का सम्मान नहीं है और न ही छात्रों के सपनों की सुरक्षा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा 'तैयारी करो तो पेपर लीक मिलेगा, सवाल पूछो तो देश विरोधी का दाग मिलेगा और लाखों रुपये खर्च करो तो न शिक्षा मिलेगी, न रोजगार।

'शिक्षा की वर्तमान व्यवस्था को बदलने के लिए 'शिक्षा क्रांति' को जरूरी बताते हुए उन्होंने छात्रों से अपील की है कि वे अपनी आवाज बुलंद करने के लिए 17 जुलाई को देहरादून में आयोजित 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ें। गौरतलब है कि श्री गांधी ने इससे पहले राजस्थान के कोटा में 'छात्रों की गूंज' अभियान की शुरूआत की हैं जिसमें उन्होंने छात्रों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और शिक्षकों से संवाद किया तथा पेपर लीक, शिक्षा के बढ़ते निजीकरण, महंगी शिक्षा और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था।

केजरीवाल ने दिल्ली दंगों के मुख्य आरोपी ताहिर हुसैन को दिया राजनीतिक संरक्षण : गौरव भाटिया

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आए न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए इसे न्याय, कानून, संविधान और जनता की जीत बताया।

उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर मुख्य अभियुक्त ताहिर हुसैन को राजनीतिक संरक्षण देने तथा कांग्रेस नेतृत्व पर भी दंगों के दौरान भड़काऊ माहौल बनाने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

गौरव भाटिया ने कहा कि सोमवार को दिल्ली दंगों को लेकर न्यायपालिका ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। यह फैसला ऐतिहासिक होने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करता है कि आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की जिस तरह जघन्य हत्या की गई, उस मामले में पांच लोगों को दोषी ठहराया गया है। अभी पूरा निर्णय सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है और उसका अध्ययन नहीं हो पाया है, लेकिन जो टिप्पणियां अब तक सामने आई हैं, उनके आधार पर हम 'आप' के संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा कांग्रेस पार्टी के सोनिया गांधी और राहुल गांधी द्वारा की गई ओछी व घटिया राजनीति को न्यायालय की टिप्पणियों के संदर्भ में सभी के समक्ष रखना चाहेंगे।

ताहिर हुसैन को लेकर रेखा ने आप से मांगे जवाब, पल्ला झाड़ गए केजरीवाल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली दंगों के एक मामले में अदालत द्वारा ताहिर हुसैन को दोषी ठहराए जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह फैसला दंगा पीड़ित परिवारों के लिए न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली दंगों में लोगों की जान गई और कई परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में दंगों के दोषियों को संरक्षण देने के आरोपों पर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं को जनता के सामने जवाब देना चाहिए। जवाब में आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने ताहिर हुसैन से पल्ला झाड़ लिया है।

रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह से सवाल किया कि इस पूरे मामले पर वे अपनी स्थिति स्पष्ट करें। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि दंगों के दौरान जिन लोगों पर गंभीर आरोप लगे, उनके साथ पार्टी के संबंधों को लेकर जवाबदेही कौन तय करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली दंगों की घटनाएं आज भी लोगों के मन में कई सवाल छोड़ गई हैं। उन्होंने कहा कि दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए और पीड़ितों को न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

केजरीवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि हमने उसे बहुत पहले ही पार्टी से निकाल दिया था। उनका यह जवाब भाजपा की तीखी आलोचना के बाद आया है, जिसमें पार्टी ने अपने ही एक नेता के दोषी ठहराए जाने पर आप नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए थे।

सोमवार को दिल्ली की एक अदालत ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) अधिकारी अंकित शर्मा की बेरहमी से हत्या के मामले में ताहिर हुसैन और चार अन्य को दुश्मनी फैलाने, दंगा करने, मारपीट, आपराधिक बल प्रयोग और हत्या में दोषी पाया गया। हुसैन के दोषी ठहराए जाने के बाद दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने आप नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाए और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा कि दोषी ठहराए जाने के बाद अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह चुप क्यों हैं। वे इस मामले पर आगे आकर कुछ क्यों नहीं कह रहे हैं। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने हमला तेज करते हुए कहा कि दोषी ठहराया गया पूर्व पार्षद अरविंद केजरीवाल का चहेता था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल समेत आप नेताओं ने अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए ताहिर हुसैन का पुरजोर बचाव किया था। देश यह नहीं भूलेगा कि आप ने चुनावी फायदे के लिए एक हत्यारे और दंगाई का साथ देना चुना था। शहजाद पूनावाला ने कहा कि हुसैन दोषी ठहराया गया है। सत्यमेव जयते। यह पूरे आप-कांग्रेस इकोसिस्टम का दोषी ठहराया जाना है, जो इन हिंदू विरोधी दंगों के पीछे था। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आप ने सोमवार को कहा कि 2020 में एफआईआर दर्ज होने के बाद प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किए जाने के बाद हुसैन का पार्टी से कोई संबंध नहीं है।

बांकीपुर की जनता ने मुझे काम करना सिखाया, नीरज सिन्हा विकास की यात्रा को देंगे नई गति : नितिन नवीन

पटना, यूटर्न/ 14 जुलाई । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को कहा कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से उनका रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि पारिवारिक और भावनात्मक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा क्षेत्र में सेवा और विकास की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान मीडिया से बातचीत में नितिन नवीन ने कहा कि एक दिवसीय प्रवास के दौरान वह अपने क्षेत्र के लोगों के बीच इसलिए आए हैं, क्योंकि यह उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'यह मेरा क्षेत्र रहा है और यहां की जनता की अपेक्षा थी कि मैं उनके बीच आऊं।

एक कार्यकर्ता, विधायक और जनप्रतिनिधि के रूप में यह मेरी जवाबदेही है कि मैं अपने लोगों के साथ खड़ा रहूं।' उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने एक मंडल अध्यक्ष जैसे समर्पित कार्यकर्ता नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाकर संगठन की कार्यकर्ता-आधारित संस्कृति को मजबूत किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बांकीपुर की जनता नीरज सिन्हा को भी वही स्नेह और आशीर्वाद देगी, जो उन्हें वर्षों से मिलता रहा है।

हमारी अस्मिता व सम्मान पर उठने वाली हर नजर का उत्तर पूरी शक्ति से देंगे: राजनाथ सिंह

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई

कारगिल की विजय एक तिथि भर नहीं है, यह भारत का स्थायी संकल्प है कि हमारी भूमि, हमारी अस्मिता और हमारे सम्मान पर उठने वाली हर नजर का उत्तर भारत पूरी शक्ति से देगा। मंगलवार को यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। दरअसल कारगिल युद्ध के वीरों की स्मृति में मंगलवार को नई दिल्ली में शौर्य अभियान की शुरूआत की गई। कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए राजनाथ सिंह ने इसके तहत राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से एक विशेष मोटरसाइकिल अभियान को रवाना किया। यह अभियान कारगिल के रणबांकुरों के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान की गाथा को देशभर तक पहुंचाने का संदेश लेकर निकला है। रक्षा मंत्री ने बताया कि कारगिल में लगभग 20 हजार फीट की ऊँचाई, जहां साँस लेना भी कठिन हो जाता है, जहां ऑक्सीजन कम होती है, तापमान माइनस 40 डिग्री तक पहुँच जाता है, ऐसे दुर्गम और प्रतिकूल वातावरण में हमारे वीर सैनिकों ने असंभव को संभव कर दिखाया। राजनाथ सिंह ने कहा कि जहाँ प्रकृति ने रास्ते बंद कर दिए थे, वहाँ हमारे सैनिकों ने अपने साहस से, इतिहास का नया रास्ता बना दिया। उन्होंने कहा, 'आज से सत्ताईस वर्ष पहले, 1999 में, भारतीय सेनाओं ने 'ऑपरेशन विजय' के माध्यम से इतिहास रच दिया था। वह केवल एक सैन्य विजय नहीं थी, बल्कि साहस, धैर्य, अनुशासन और अदम्य राष्ट्रभक्ति का ऐसा अध्याय था, जिसे विश्व की सेनाएँ आज भी अध्ययन और सम्मान की दृष्टि से देखती हैं।'

स्थायी समितियां सुशासन और जवाबदेही की मजबूत कड़ी: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई। दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को वित्तीय एवं विभाग संबंधी स्थायी समितियों के अध्यक्षों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य नवगठित समितियों के अध्यक्षों को उनके संवैधानिक, प्रक्रियागत और कार्यात्मक दायित्वों से परिचित कराना था, ताकि विधानसभा की निगरानी व्यवस्था और अधिक प्रभावी बनाई जा सके। कार्यशाला का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि स्थायी समितियां विधायी व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं, जो कार्यपालिका की जवाबदेही तय करने और सुशासन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

संक्षिप्त खबरें

प्रॉपर्टी डीलर के घर दिन दहाड़े लाखों की चोरी

साहिबाबाद, यूटर्न/ 14 जुलाई । शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र के राजेंद्र नगर सेक्टर-2 एचआईजी डुप्लेक्स निवासी प्रॉपर्टी डीलर सुनील कुमार राय के घर से चोर लाखों के जेवरात चोरी कर ले गए। वारदात 11 जुलाई को दिन-दहाड़े हुई। पुलिस ने 13 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में सुनील कुमार राय ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 11 बजे वह दिल्ली सगाई समारोह में गए थे। शाम करीब 8 बजे वह घर पहुंचे तब ताले टूटे मिले। सारा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी के ताले टूटे हुए थे। अलमारी से चोर लाखों के जेवरात और नकदी चुराकर ले गए। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जल्द ही गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीण चिरौड़ी विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचे

लोनी, यूटर्न/ 14 जुलाई । बिजली कटौती से परेशान ग्रामीण चिरौड़ी विद्युत उपकेंद्र पर रविवार देर रात पहुंचे और हंगामा किया। इसके बाद अधिकारियों ने लोगों को जल्द लाइट सुचारू करने का आश्वासन देकर लोगों को वापस भेज दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि दो दिन से बिजली नहीं है। सकलपुरा गांव निवासी प्रवीण कसाना ने बताया कि बिजली न आने से घरों की टंकी में पानी खत्म हो गया है। रात में मच्छरों के चलते नींद पूरी नहीं हो रही है। वहीं, ट्रोनिका सिटी खुशहाल पार्क कॉलोनी में पिछले सात दिनों से ट्रांसफार्मर के फुंकने से कटौती से लोग परेशान हैं। उन्होंने बताया कि बिजली की आपूर्ति न होने के चलते लोग जनरेटर से पानी भरवा रहे हैं।

दिल्ली में बिजली बिल फिर बढ़ेंगे

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई । दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने बिजली वितरण कंपनियों को मई 2026 के लिए तय 10% की सीमा से अधिक फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज यानी एफपीपीएएस वसूलने की छूट दे दी है। 10 जुलाई को जारी आदेश के बाद अब उपभोक्ताओं के बिजली बिल में और बढ़ोतरी होगी। आयोग ने बीआरपीएल, बीवाईपीएल और टीपीडीडीएल के आवेदन पर यह राहत दी है। तीनों डिस्कॉम ने कहा था कि मई 2026 में बिजली खरीद की वास्तविक लागत 30 सितंबर 2021 के टैरिफ आदेश में माने गए आधार लागत से काफी अधिक बढ़ गई है।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को 2500 रुपये देने की तैयारी महिला समृद्धि योजना का नाम अब दिल्ली लक्ष्मी योजना

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

दिल्ली सरकार ने महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने वाली योजना को अगले महीने रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में योजना के पात्रता नियम तय कर दिए गए। साथ ही महिला समृद्धि योजना का आधिकारिक नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना कर दिया है। दिल्ली सरकार की महिला समृद्धि योजना (अब दिल्ली लक्ष्मी योजना) बेहद चर्चित और उम्मीदों वाली है। लाखों महिलाएं इसके शुरू होने की आस लगाए बैठी हैं। नई सरकार बनने के बाद से रेखा गुप्ता के मंत्रिमंडल पर इस योजना को शुरू करने

का भारी दबाव रहा है। अब सरकार इस योजना की कई स्पष्ट पात्रता शर्तों के साथ इसे लागू कराने की तैयारी कर रही है। अगले महीने रक्षाबंधन से पहले इसकी पहली किस्त देने की तैयारी है। सरकार ने तय किया है कि इसका लाभ केवल उस महिला को मिलेगा, जो 21 से 60 वर्ष की आयु की हो और स्वयं या उसका परिवार कम से कम 10 वर्ष से दिल्ली में रह रहा हो। परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। एक परिवार से केवल एक महिला को ही योजना का लाभ मिलेगा और परिवार की सबसे बड़ी पात्र महिला को प्राथमिकता दी जाएगी।

इन महिलाओं को नहीं मिलेगा लाभ

सरकार ने कुछ अपात्रता की शर्तें भी तय की हैं। यदि महिला या उसके परिवार के किसी सदस्य के खिलाफ आपराधिक रिकॉर्ड है तो योजना का लाभ नहीं मिलेगा। जिन महिलाओं को पहले से किसी सरकारी पेंशन या नियमित आर्थिक सहायता योजना का लाभ मिल रहा है, वे भी इसके दायरे से बाहर रहेंगी। चार पहिया वाहन वाले परिवारों की महिलाएं भी इस योजना की पात्र नहीं होंगी।

अब दिल्ली लक्ष्मी योजना के नाम से होगी पहचान

सरकार ने महिला समृद्धि योजना का आधिकारिक नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना कर दिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का लाभ पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पात्र महिलाओं तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर प्रशासनिक बाधा नहीं आनी चाहिए और सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

गोल्डी बराड़-लिपिन नेहरा गैंग के पकड़े गए दो गुर्गे, हथियार और जिंदा कारतूस बरामद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को मंगलवार को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने गोल्डी बराड़-लिपिन नेहरा गैंग के दो कुख्यात सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके पास से बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए। दोनों हरियाणा के झज्जर और रेवाड़ी के रहने वाले हैं। बरामद हथियारों में छह आधुनिक फायरआर्म्स, आठ जिंदा कारतूस और दो सिंगल शॉट पिस्टल शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रणदीप उर्फ रिंकू (36) और हितेश कुमार (23) के रूप में हुई है। दोनों को दिल्ली पुलिस की एंटी-गैंगस्टर स्क्वॉड (एजीएस) और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनकी कार भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी गैंग के लिए अवैध हथियारों की सप्लाई करने और वसूली से मिली रकम गैंग के सदस्यों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते थे। यह काम वे लिपिन नेहरा के निर्देश पर करते थे। दोनों हरियाणा में रंगदारी से जुड़े कई फायरिंग मामलों में भी शामिल रहे हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि बरामद हथियारों के असली स्रोत का पता लगाया जा सके और गैंग के अन्य सदस्यों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने हरियाणा के एक कारोबारी से एक करोड़ रुपए रंगदारी मांगी थी।

भारत में एक्यूपंक्चर को स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति का दर्जा दिलाने में करेंगे हर संभव सहयोग: देवेंद्र फडणवीस

कहां महाराष्ट्र में करेंगे एक्यूपंचर शिक्षा का प्रसार

» **अशोक सहगल**

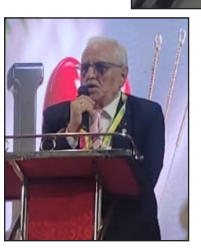

लुधियाना, यूटर्न/ 14 जुलाई । महाराष्ट्र एक्यूपंक्चर काउंसिल, मुंबई तथा आयुष्मान एक्यूपंक्चर कॉलेज, नागपुर द्वारा आयोजित किए गए दो दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय एक्यूपंक्चर सम्मेलन में देशभर से एक्यूपंक्चर विशेषज्ञ, स्वास्थ्य पेशेवर और नीति-निमार्ता शामिल हुए। सम्मेलन में 27 वैज्ञानिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। मुख्य रूप से एक्यूपंक्चर की स्वास्थ्य सेवाओं, नशा मुक्ति और भारत में इसे स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति के रूप में मान्यता देने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। इस सम्मेलन में देशभर से 700 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिससे यह भारत के सबसे बड़े एक्यूपंक्चर सम्मेलनों में से एक बन गया।

पीठ दर्द और फ्रोजन शोल्डर से ठीक हो चुके महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री: सम्मेलन का सबसे खास आकर्षण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का संबोधन रहा। उन्होंने बताया कि कुछ वर्ष पहले उन्हें कमर में तेज दर्द की समस्या थी। अन्य उपचारों में जहां सर्जरी की सलाह दी गई थी, वहीं एक्यूपंक्चर से उन्हें केवल 10 दिनों में काफी राहत मिली। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में उन्हें फ्रोजन शोल्डर की समस्या हुई थी, जिससे उन्हें महाराष्ट्र एक्यूपंक्चर काउंसिल की चेयरपर्सन डॉ. रूमी बैरामजी द्वारा दिए गए एक्यूपंक्चर उपचार से लाभ मिला। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वे स्वयं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर महाराष्ट्र मॉडल के आधार पर एक्यूपंक्चर को स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति का दर्जा दिलाने का प्रयास करेंगे। उनका कहना था कि इससे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और मजबूत होगी तथा प्रधानमंत्री के बेहतर स्वास्थ्य भारत के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

केंद्र सरकार से स्वतंत्र मान्यता की मांग: डॉ. रमन कपूर और डॉ. इंदरजीत सिंह ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुनिया के 139 से अधिक देशों में एक्यूपंक्चर को स्वतंत्र चिकित्सा प्रणाली के रूप में मान्यता प्राप्त है।

उन्होंने केंद्र सरकार से भी भारत में इसे एलाइड हेल्थकेयर के बजाय स्वतंत्र चिकित्सा प्रणाली का दर्जा देने की मांग की। डॉ. कोटनिस एक्यूपंक्चर हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज के निदेशक तथा वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्यूपंक्चर-मोक्सीबस्टन सोसाइटीज के कार्यकारी सदस्य डॉ. इंदरजीत सिंह सम्मेलन के प्रमुख वक्ताओं में शामिल रहे। पांच दशकों के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में युवाओं में बढ़ती नशे की समस्या गंभीर चिंता का विषय है।

14वीं मंजिल की बालकनी से नीचे उतरता दिखा विदेशी नागरिक, वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

» **ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 14 जुलाई**

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-22डी स्थित एक रेजिडेंशियल हाईराइज सोसायटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक विदेशी नागरिक अपनी जान जोखिम में डालकर 14वीं मंजिल की बालकनी से नीचे उतरता हुआ दिखाई दे रहा है।

घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोसायटी के निवासियों में चिंता का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

सोसायटी के कुछ निवासियों का दावा है कि संबंधित विदेशी नागरिक पुलिस और स्थानीय खुफिया इकाई के सत्यापन से बचने के लिए इस तरह का खतरनाक कदम उठा रहा था। हालांकि, पुलिस सत्यापन से बचने के इस दावे की अभी तक किसी भी सरकारी एजेंसी या पुलिस द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल यह दावा केवल स्थानीय लोगों की ओर से किया जा रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता

है कि विदेशी युवक बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ऊंची इमारत की 14वीं मंजिल की बालकनी से नीचे उतरने की कोशिश कर रहा है।

इस दौरान उसकी एक छोटी सी चूक भी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। वीडियो देखने वाले लोग भी इस खतरनाक स्टंट को लेकर हैरानी जता रहे हैं। घटना के समय यदि संतुलन बिगड़ जाता तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। घटना के बाद सोसायटी की अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन ने एक बार फिर सोसायटी में रहने वाले विदेशी नागरिकों के दस्तावेजों और वीजा की जांच कराने की मांग उठाई है।

एओए का कहना है कि सोसायटी में रहने वाले सभी विदेशी नागरिकों का पुलिस सत्यापन और दस्तावेजों की नियमित जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि सुरक्षा संबंधी किसी भी प्रकार की आशंका को समय रहते दूर किया जा सके। सोसायटी के कुछ निवासियों ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ विदेशी नागरिक वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद सोसायटी में रह रहे हैं। हालांकि, इस आरोप की भी अभी तक प्रशासन या पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में मामले की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

इस पूरे मामले पर दनकौर पुलिस का कहना है कि उन्हें फिलहाल इस वायरल वीडियो की जानकारी नहीं है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यदि वीडियो और इस संबंध में कोई लिखित शिकायत प्राप्त होती है तो पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

वहीं, सोसायटी के निवासी सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, विदेशी नागरिकों के दस्तावेजों की नियमित जांच तथा पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया को सख्ती से लागू करने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि विदेशी युवक ने 14वीं मंजिल से नीचे उतरने जैसा जानलेवा कदम किन परिस्थितियों में उठाया और उसके पीछे वास्तविक कारण क्या था।

दिल्ली सरकार

ऑटो में बैठाकर लूटपाट करने वाले गिरोह का पदार्फाश, दो बदमाश गिरफ्तार, एक नाबालिग हिरासत में

नोएडा, यूटर्न/ 14 जुलाई । नोएडा के सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने ऑटो में सवारी बैठाकर सुनसान स्थान पर ले जाकर लूटपाट करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग आरोपी को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया एक मोबाइल फोन, 2,250 रुपये नकद, वारदात में इस्तेमाल किया गया ऑटो और एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, यह मामला 24-25 जून की रात का है। पीड़ित ने थाना सेक्टर-63 में शिकायत दर्ज कराई थी कि तीन अज्ञात युवकों ने उसे बरौला जाने के बहाने एक टेम्पो में बैठाया। इसके बाद आरोपी उसे पर्थला पुल से सेक्टर-80 की ओर सर्विस रोड पर स्थित सुनसान इलाके में ले गए। वहां आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर मोबाइल फोन और 1,000 रुपए नकद लूट लिए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित के मोबाइल का इस्तेमाल कर उसके बैंक खाते से ऑनलाइन भी पैसे ट्रांसफर कर लिए। शिकायत के आधार पर थाना सेक्टर-63 में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

अध्यात्मिक विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने एडवोकेट नेहा धवन को मानद डॉक्टरेट से सम्मानित करने की घोषणा

शिक्षा, शोध और सामाजिक सरोकारों के लिए नेहा धवन को मिलेगा मानद डॉक्टरेट सम्मान

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 14 जुलाई । शिक्षा, लेखन, शोध, सामाजिक सरोकारों तथा राष्ट्र निर्माण के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए हरियाणा के हांसी ज़िला से एडवोकेट नेहा धवन को प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा, लेखनझशोध एवं सोशल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान करने की घोषणा हुई।

यह घोषणा कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित विजन इंटरनेशन फाउंडेशन के द्वारा आयोजित गरिमामय समारोह में आध्यात्मिक विद्यापीठ यूनिवर्सिटी पिथौरागढ़, उत्तराखंड के कुलाधिपति श्री 1008 धर्म रतन श्रीमद् जगतगुरु स्वामी संदीपानी महाराज ने मंच पर की। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति रही। समारोह के दौरान आध्यात्मिक विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति (श्री उँल्लू''ङ्क१) एवं संत शिरोमणि 1008 जगद्गुरु श्री संदीपनी महाराज ने मंच से डॉ. नेहा धवन की बहुआयामी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्हें मानद डॉक्टरेट प्रदान किए जाने की घोषणा की तथा सम्मानित किया। डॉ. नेहा धवन को डॉक्टरेट की उपाधि अपेक्षाकृत कम आयु में शिक्षा, अनुसंधान, लेखन - अनुवादक, सामाजिक जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, मीडिया, जनसेवा तथा संगठनात्मक नेतृत्व जैसे अनेक क्षेत्रों में किए गए व्यापक और प्रभावशाली कार्यों की मान्यता स्वरूप प्रदान की गई है।

गौपुत्र दल की प्रथम राष्ट्रीय बैठक सम्पन्न राष्ट्रीय कार्यकारिणी का हुआ गठन

रोहताश बाबा को राष्ट्रीय संरक्षक व विकास योगी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया -सुनील क्रांतिकारी

» हरियाणा, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

गौपुत्र दल की प्रथम राष्ट्रीय बैठक राष्ट्रीय कार्यालय ओ३म लाइब्रेरी अग्रोहा मोड़ (हिसार) में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील क्रांतिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन संगठन के पदाधिकारियों द्वारा किया गया तथा राष्ट्रीय मार्गदर्शक कुल्लू गिरी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गौमाता वंदना और मंगलाचरण के साथ बैठक का विधिवत आरंभ हुआ। बैठक में संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान चलाने, गौशालाओं के सहयोग, घायल एवं निराश्रित गौवंश की सेवा, प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने तथा जन-जागरण अभियान को गति देने पर विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील क्रांतिकारी ने सभी पदाधिकारियों से संगठन को गांव-गांव तक विस्तार देने और सेवा कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का आ'ान किया। इस अवसर पर गौपुत्र दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। जिसमें रोहताश बाबा को राष्ट्रीय संरक्षक, सुनील क्रांतिकारी को राष्ट्रीय अध्यक्ष, विकास योगी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, कुल्लू गिरी महाराज को राष्ट्रीय मार्गदर्शक, रवि भार्गव को राष्ट्रीय संगठन मंत्री, पवन महता एवं राजीकरण स्वदेशी को राष्ट्रीय सचिव, अमन हिन्दू को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी, अमनदीप को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष तथा अनिल जांगड़ा को राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई।

श्री गोयंका का जीवन समाज सेवा, व्यापारियों के हितों तथा मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहा : बजरंग गर्ग

श्री गोयंका का सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा : बजरंग गर्ग

» हरियाणा, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष एवं हरियाणा कन्फेड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने अग्रोहा धाम के संस्थापक, वरिष्ठ उद्योगपति, प्रख्यात समाजसेवी एवं वैश्य समाज के प्रेरणास्रोत स्वर्गीय नंदकिशोर गोयंका के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे समाज और व्यापार जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। बजरंग गर्ग ने कहा कि स्वर्गीय नंदकिशोर गोयंका केवल एक सफल उद्योगपति नहीं थे, बल्कि वे सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की जीवंत मिसाल थे। उन्होंने अपने जीवन में धर्म, समाज और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक ऐसे कार्य किए, जिनका लाभ आने वाली पीढ़ियां भी उठाती रहेंगी। उन्होंने अग्रोहा धाम के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देकर उसे देशभर के लाखों श्रद्धालुओं और वैश्य समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि गोयंका अनेक धार्मिक, सामाजिक, शिक्षा संस्थानों एवं गौशालाओं से जुड़े रहे और विभिन्न संस्थाओं के प्रधान एवं संरक्षक के रूप में समाज सेवा का कार्य पूरी निष्ठा से करते रहे। शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने, धार्मिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने, गौसेवा, जरूरतमंदों की सहायता तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।बजरंग गर्ग ने कहा कि गोयंका का जीवन समाज सेवा, व्यापारियों के हितों तथा मानवीय मूल्यों के प्रति पूर्णतः समर्पित रहा। वे व्यापार जगत में ईमानदारी, विश्वास और नैतिक मूल्यों के प्रतीक माने जाते थे। उन्होंने अपने व्यवहार, कार्यशैली और दूरदर्शी सोच से देशभर के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों के बीच विशिष्ट सम्मान प्राप्त किया तथा व्यापारिक जगत में अपनी अलग पहचान स्थापित की। उन्होंने कहा कि गोयंका का सरल स्वभाव, विनम्र व्यक्तित्व, मधुर व्यवहार और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की कार्यशैली उन्हें समाज में विशेष सम्मान दिलाती थी। वे सदैव लोगों को जोड़ने, समाज में भाईचारा बढ़ाने और सेवा के कार्यों के लिए प्रेरित करते रहे।

आमिर खान जैसे लोग 'लव जिहाद' को बढ़ाने की साजिश कर रहे हैं : जगद्गुरु परमहंस आचार्य

» अयोध्या, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे के अभिनेता आमिर खान पर लगाए गए आरोपों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह आरोप नहीं, हकीकत है। इसके साथ ही उन्होंने राम मंदिर दान में कथित चोरी की जांच, समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से लगाए गए विवादित पोस्टरों, राम मंदिर ट्रस्ट की आगामी बैठक को लेकर अपनी बात रखी।

राम मंदिर दान चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

परमहंस आचार्य ने कहा कि जिस तरह आमिर खान ने तीन शादियां कीं और तीनों हिंदू लड़कियों से कीं। वह लव जिहाद का संदेश देने का काम कर रहे हैं। नितेश राणे ने जो बात कही है, वह कोई आरोप नहीं, बल्कि हकीकत है। ऐसे लोग जहां कहीं भी मिलें, उन्हें तुरंत सजा देनी चाहिए। ये लोग समाज के इतने बड़े अपराधी हैं कि आपसी सौहार्द बिगाड़ने और लव जिहाद को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के षड्यंत्र कर रहे हैं। यह बहुत गंभीर विषय है। हमारे देवी-देवताओं की पूजा उस मजहब में हराम है, तो फिर हमारे धर्म की बेटियों से विवाह कैसे कर सकते हैं? जो भी हिंदू बहन-बेटियों को फंसाने का काम कर रहे हैं, उन्हें सजा देना जरूरी है। राम मंदिर दान में कथित चोरी के मामले पर परमहंस आचार्य ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर हुआ था और वर्तमान में एसआईटी जांच पूरी ईमानदारी से की जा रही है।

गोल्डी बराड़-लिपिन नेहरा गैंग के पकड़े गए दो गुर्गे, हथियार और जिंदा कारतूस बरामद

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को मंगलवार को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने गोल्डी बराड़-लिपिन नेहरा गैंग के दो कुख्यात सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके पास से बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए। दोनों हरियाणा के झज्जर और रेवाड़ी के रहने वाले हैं।

बरामद हथियारों में छह आधुनिक फायरआर्म्स, आठ जिंदा कारतूस और दो सिंगल शॉट पिस्टल शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रणदीप उर्फ रिंकू (36) और हितेश कुमार (23) के रूप में हुई है।

दोनों को दिल्ली पुलिस की एंटी-गैंगस्टर स्क्वॉड (एजीएस) और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनकी कार भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी गैंग के लिए अवैध हथियारों की सप्लाई करने और वसूली से मिली रकम गैंग के सदस्यों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते थे। यह काम वे लिपिन नेहरा के निर्देश पर करते थे। दोनों हरियाणा में रंगदारी से जुड़े कई फायरिंग मामलों में भी शामिल रहे हैं।

पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि बरामद हथियारों के असली स्रोत का पता लगाया जा सके और गैंग के अन्य सदस्यों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने हरियाणा के एक कारोबारी से एक करोड़ रुपए रंगदारी मांगी थी। पिछले साल उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लिपिन नेहरा के कहने पर कारोबारी को धमकियां भी दी थीं। जांच में पुलिस को पता चला कि कनाडा में बैठा लिपिन नेहरा भारत में अपने साथियों को एन्क्रिप्टेड सिग्नल ऐप के जरिए निर्देश देता था कि वे अवैध हथियारों और गोला-बारूद की खेप हासिल करें। गैंग ने खास तौर पर हितेश और रणदीप राठी को हथियारों की खेप लेने की जिम्मेदारी दी थी। एनसीआर क्षेत्र में संगठित अपराध, रंगदारी और अवैध हथियारों के इस्तेमाल के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर स्क्वॉड (एजीएस) को ऐसे अपराधियों पर नजर रखने और दिल्ली व आसपास के राज्यों में सक्रिय गैंग के सदस्यों की पहचान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पुलिस टीम ने गैंग के सदस्यों के ठिकानों, गतिविधियों, साथियों और उनके आपराधिक नेटवर्क के बारे में पुख्ता जानकारी जुटाई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की।

वेद नर्सिंग कॉलेज, वेद नर्सिंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ने रचा इतिहास

बेस्ट नर्सिंग एक्सीलेंस अवार्ड्स -2026 से सम्मानित

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 14 जुलाई । प्रेम इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जीटी रोड बरौली ,पानीपत स्थित वेद नर्सिंग कॉलेज एवं वेद नर्सिंग ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट पानीपत,हरियाणा ने एक शानदार राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की हैं। वेद नर्सिंग कॉलेज को हैदराबाद में 11 जुलाई 2026 को आयोजित प्रतिष्ठित चौथी इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा नेशनल नर्सिंग एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026 में उत्तरी भारत में प्रथम विजेता के रूप में बेस्ट नर्सिंग एजुकेशन एंड ट्रेनिंग एक्सीलेंस अवार्डसे सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान इंडियन नर्सिंग काउंसिल के प्रेसिडेंट श्री टी. दिलीप कुमार के द्वारा दिया गया साथ ही वेद नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल *निधि शर्मा को बेस्ट नर्स एडमिनिस्ट्रेटर ऑफ द ईयर नॉर्दर्न जॉन्स* से सम्मानित किया गया। यह दोनों अवार्ड इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं कंसोर्टियम ऑफ एक्रेडिटेड हेल्थ केयर ऑर्गेनाइजेशन (CAHO) के सहयोग से इंडियन नर्सिंग काउंसिल प्रेसिडेंट के द्वारा दिया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान वेद नर्सिंग कॉलेज को उत्तरी भारत के 10 राज्यों के अग्रणी नर्सिंग संस्थानों में स्थापित करता है, कॉलेज ने उत्तरी भारत के 10 राज्यों के प्रसिद्ध विश्व विद्यालयो और नर्सिंग संस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा कर यह उपलब्धि प्राप्त की है यह उपलब्धि नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, शैक्षणिक नवाचार ,नैदानिक दक्षता, शोध और छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति कॉलेज की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वेद नर्सिंग कॉलेज एवं वेद नर्सिंग ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में डिप्लोमा सहित ग्रेजुएट एवं पोस्ट ग्रेजुएशन के नर्सिंग कोर्सेज करवाए जाते हैं। वेद नर्सिंग कॉलेज एवं वेद नर्सिंग ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष डॉ पंकज मुटनेजा का हमेशा से यह कोशिश रहा है कि नर्सिंग के क्षेत्र में इस संस्था के सभी छात्र, छात्राएँ सक्षम, दयालु, नैतिक और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी नर्सिंग प्रोफेशनल बने जिसके लिए डॉ पंकज मुटनेजा प्रतिबद्ध हैं जो स्वास्थ्य सेवा और समाज में सार्थक योगदान दे सकें।

ये दोहरी राष्ट्रीय उपलब्धियां प्रबंधन के दूरदर्शी नेतृत्व, शिक्षकों की मेहनत छात्रों की लगन और संस्थान द्वारा उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण है कि वेद नर्सिंग कॉलेज पूरे उतरी भारत के बेस्ट नर्सिंग कॉलेज बन गया है ।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी सबसे बड़ा पाप, पूरे ट्रस्ट का पुनर्गठन हो: प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई । शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने राम मंदिर ट्रस्ट में चढ़ावा चोरी के विवाद पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह सबसे बड़ा पाप है। यह जनता की भावनाओं के साथ विश्वासघात है।

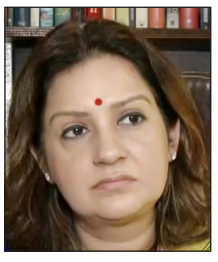

नई दिल्ली में आईएएनएस से बात करते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जनता की भावनाओं को इससे गहरी चोट पहुंची है। देश-दुनियाभर के भक्तों की आस्था को ठेस पहुंची है। उन्होंने सवाल किया कि दो ट्रस्टियों का इस्तीफा हो चुका है, लेकिन बाकी लोगों ने क्यों नहीं दिया। सभी को इस्तीफा देना चाहिए। नए सिरे से ट्रस्ट का गठन करना चाहिए, जिसमें राम भक्तों को जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए और न कि भाजपा और अन्य संगठनों के लोगों को इस इसमें डाला जाए।राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद में ट्रस्ट से चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है और ट्रस्ट की ओर से इसे स्वीकार भी कर लिया गया है। हालांकि, चंपत राय के खिलाफ हाल ही में वकीलों ने मोर्चा खोल दिया था और विरोध मार्च भी निकाला था। वकीलों ने कहा था कि अगर एफआईआर नहीं होती है तो वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएंगे। दूसरी ओर प्रियंका चतुर्वेदी ने भाजपा पर शेड्यूल-10 को तोड़-मरोड़कर इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

पंजाब के सबसे बुरे दौर में सबसे खामोश शिकार: हजारों पालतू कुत्ते

संदीप शर्मा

पंजाब में उग्रवाद के अनगिनत किस्सों में से एक किस्सा दशकों से दबा हुआ है। दिलजीत दोसांझ की फि ल्म 'सतलुज' 1990 के दशक में पंजाब में कथित पुलिस ज्यादतियों के कारण मारे गए गुमनाम सिखों और उनके लिए इंसाफ की मांग करने वाले जसवंत सिंह खालड़ा की कहानी बताती है। लेकिन एक और कहानी है जिसे सुनाया जाना चाहिए: उग्रवाद के दौर में हजारों पालतू कुत्ते मारे गए; वे इसलिए नहीं मरे कि वे गोलीबारी में फंस गए थे या अफरातफरी में छोड़ दिए गए थे, बल्कि इसलिए क्योंकि उनके मालिकों को उन्हें मारना पड़ा। कुत्ते के भौंकने से सुरक्षा बलों को पता चल सकता था या आस-पास छिपे उग्रवादियों की मौजूदगी का राज खुल सकता था। जो परिवार आतंकवादियों की बंदूक और सरकार के शक के बीच जी रहे थे, उनके लिए एक वफादार पालतू जानवर भी एक खतरनाक बोझ बन गया था। चुनाव दिल तोड़ने वाला था: या तो कुत्ते को रखें और अपने परिवार की सुरक्षा को खतरे में डालें, या फिर एक दिन और ज़िंदा रहने के लिए एक वफादार साथी की कुर्बानी दें। इतिहास हत्याओं, बम धमाकों और मुठभेड़ों को दर्ज करता है। यह मरने वालों की गिनती करता है और संगठनों की सूची बनाता है। लेकिन यह शायद ही कभी उन अनदेखे नुकसानों को दर्ज करता है। वह परिवार जिसने सूरज डूबने के बाद शादियां मनाना बंद कर दिया, वह किसान जिसने रात में अपने खेत छोड़ दिए, वह दुकानदार जिसने शाम होने से पहले ही अपनी दुकान बंद कर दी, या वह बच्चा जो सुबह उठा तो पाया कि परिवार का कुत्ता हमेशा के लिए चला गया है। ये इतिहास के मामूली किस्से नहीं हैं। ये इस बात का सबूत हैं कि डर किसी समाज के साथ क्या कर सकता है। आतंकवाद सिर्फ.राजनीतिक सत्ता नहीं चाहता। यह मनोवैज्ञानिक नियंत्रण चाहता है। इसका मकसद सिर्फ. मारना नहीं, बल्कि लोगों को बिना बंदूक दिखाए अपना व्यवहार बदलने पर मजबूर करना है। जब कोई परिवार यह तय करता है कि उसके पालतू जानवर का भौंकना भी बर्दाश्त करने के लिए बहुत खतरनाक है, तो आतंक अपना मकसद पूरा कर चुका होता है। आज एक ऐसी पीढ़ी है जो उग्रवाद के दौर को सिर्फ.टुकड़ों में जानती है, सोशल मीडिया क्लिप, राजनीतिक भाषण या चुनिंदा कहानियों के जरिए। उन्होंने उस डर को नहीं जिया जिसने तय किया कि लोग कहां जाएंगे, किससे बात करेंगे और दुख की बात है कि क्या वे अपने घर में पालतू जानवर रख सकते हैं या नहीं। ऐसी कहानियाँ नारों की तुलना में ज्यादा ईमानदार इतिहास बताती हैं। आतंकवाद की बड़ी भयावहता के सामने अपने ही कुत्ते को दफनाते परिवार की तस्वीर मामूली लग सकती है। फिर भी, यह कुछ बहुत गहरी बात बयां करती है। जब डर घर में घुस आता है, आँगन तक पहुँच जाता है और कुत्ते के भौंकने की आवाज को भी खामोश कर देता है। पंजाब के कुत्तों की खामोश मौतें उस दौर के अनकहे दर्द की कहानी बयां करती हैं, एक ऐसा दर्द जिसका ब्यौरा इतिहास के पन्नों में अभी दर्ज होना बाकी है।

साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल

योगेश कुमार गोयल

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है। युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो। भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

ललित गर्ग

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है। इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार

बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है। दूसरी ओर ईरान को भी यह स ाझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरूआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है।

चिंतन मनन: व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है ।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है। स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है ।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है ।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है ।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व ।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं ।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है ।जीविका जीवन की अनिवार्यता है ।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है ।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है ।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है ।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा ।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है ।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

एनसीएलटी नियुक्तियों और ढांचे पर एससी की सुनवाई टली

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई । उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में न्यायिक और तकनीकी सदस्यों की नियुक्ति में देरी तथा उसके बुनियादी ढांचे की कमियों से जुड़े एक अहम मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया फिलहाल जारी है। न्यायालय ने यह स्वतः संज्ञान मामला एनसीएलटी में खाली पदों, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और मामलों के निपटान की दर से जुड़ी चिंताओं पर दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान एक अधिवक्ता द्वारा इन व्यापक मुद्दों पर ध्यान दिलाए जाने पर प्रधान न्यायाधीश ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया। यह कार्यवाही 19 मई को तब शुरू हुई थी, जब उच्चतम न्यायालय ने 29 अप्रैल के एक फैसले में दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत समाधान योजनाओं को मंजूरी देने में लगातार हो रही देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

थोक मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 9.87 फीसदी, वैश्विक तनाव का असर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 9.68 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संकट, होर्मुज जलडमरूमध्य की संभावित नाकेबंदी, खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई है। भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात इसी जलडमरूमध्य के जरिये करता है, जिससे लागत बढ़ रही है। मंत्रालय के अनुसार, जून के आंकड़ों पर खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों का असर दिखा। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं में महंगाई मई के 3.60 प्रतिशत से बढ़कर जून में 5.49 प्रतिशत हो गई। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं में यह 11.07 प्रतिशत और ईंधन व बिजली में 27.41 प्रतिशत (मई में 30.33 प्रतिशत) दर्ज की गई। विनिर्मित उत्पादों की श्रेणी में थोक मुद्रास्फीति मई की तरह जून में भी 7.48 प्रतिशत पर स्थिर रही। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति भी जून में 17 महीने के उच्च स्तर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 3.93 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तय करते समय सीपीआई पर गौर करता है और इसने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि है।

बजट स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री में दशक की सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई, यूटर्न/ 14 जुलाई । बढ़ती महंगाई का असर अब बजट इलेक्ट्रॉनिक्स पर दिख रहा है। एक दशक से भी ज्यादा समय में पहली बार एंट्री-लेवल स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज हुई है। मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और रुपये की कमजोरी से उत्पादन लागत बढ़ने के कारण ग्राहकों ने खरीदारी टाली है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मई के दौरान 12,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 54 फीसदी की भारी गिरावट आई है। नतीजतन, कुल स्मार्टफोन बिक्री में एंट्री-लेवल सेगमेंट की हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 14 फीसदी रह गई है।

अदाणी एयरपोर्ट्स के कंज्यूमर ऐप 'अदाणी वन' के यूजर्स की संख्या 10 महीनों में 50 लाख से पार

» मुंबई, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) के कंज्यूमर ऐप 'अदाणी वन' ने भारत के पहले इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट लॉयल्टी प्रोग्राम में से एक, 'अदाणी रिवार्ड्स' को लॉन्च करने के 10 महीनों के भीतर ही 50 लाख सदस्यों का आंकड़ा पार कर लिया है। यह जानकारी कंपनी की ओर से दी गई।

कंपनी ने कहा कि यह लॉयल्टी प्रोग्राम एएएचएल द्वारा मैनेज किए जा रहे सात राज्यों के सभी आठ एयरपोर्ट पर उपलब्ध है। इसके जरिए यात्री 'अदाणी वन' ऐप का इस्तेमाल करके शॉपिंग, डाइनिंग और एयरपोर्ट की दूसरी सेवाओं पर रिवॉर्ड पॉइंट कमा सकते हैं और उन्हें रिडीम कर सकते हैं।

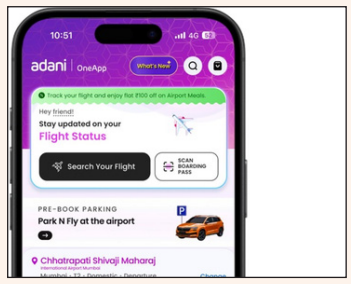

कंपनी ने कहा कि यह उपलब्धि डिजिटल सेवाओं के बढ़ते इस्तेमाल को दिखाती है, जो एयरपोर्ट के अनुभव को आसान बनाती हैं और साथ ही यात्रियों को उनके रोजमर्रा के खर्चों पर रिवॉर्ड भी देती हैं। एएएचएल ने आगे कहा कि वह इस साल के आखिर में एक टियर-बेस्ड मेंबरशिप मॉडल शुरू करने की योजना बना रही है। इससे अकसर हवाई यात्रा करने वालों को बेहतर फायदे और अधिक व्यक्तिगत सुविधाएं मिलेंगी। एएएचएल के एक प्रवक्ता ने कहा, 'एक साल से भी कम समय में 50 लाख सदस्य बनना 'अदाणी रिवॉर्ड्स' के लिए एक अहम उपलब्धि है। जल्द ही, हम नए फीचर लाएंगे, सदस्यों के लिए फायदे बढ़ाएंगे और यात्रियों के लिए एएएचएल द्वारा मैनेज किए जाने वाले सभी एयरपोर्ट पर जुड़ने के और मौके बनाएंगे।'

इसके अलावा, यात्री खरीदारी के समय अपने मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करके तुरंत 'अदाणी रिवार्ड्स' में शामिल हो सकते हैं।

बाद के ट्रांजैक्शन पर मिले रिवार्ड पॉइंट्स का इस्तेमाल 'अदाणी वन' ऐप के जरिए कई तरह के फायदों के लिए किया जा सकता है, जैसे मुफ्त खाना-पीना और प्रीमियम एयरपोर्ट अनुभव। कंपनी ने कहा कि दिवाली, विंटरफेस्ट और हाल ही में हुए समर कार्निवल जैसे सीजनल कैंपेन ने खास डील्स और चुनिंदा अनुभव देकर यूजर एंगेजमेंट बढ़ाने में मदद की है। कंपनी ने यह भी कहा कि आने वाले महीनों में इस प्रोग्राम को और बेहतर बनाने की योजना है, ताकि केरल के तिरुवनंतपुरम से लेकर असम के गुवाहाटी तक फैले इसके एयरपोर्ट नेटवर्क में इसकी लोकप्रियता बढ़ाई जा सके। इसके अलावा, भारत का सबसे बड़ा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप एयरपोर्ट ऑपरेटर एएएचएल अभी मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी, तिरुवनंतपुरम और हाल ही में बने नवी मुंबई एयरपोर्ट जैसे आठ एयरपोर्ट का मैनेजमेंट करता है।

दिल्ली में भारत टेक्स 2026 का आगाज

गिरिराज सिंह बोले-वैश्विक टेक्सटाइल हब बनने की ओर बढ़ रहा भारत

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और कपड़ा राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ग्लोबल टेक्सटाइल एक्सपो 'भारत टेक्स 2026' के उद्घाटन सत्र में हिस्सा लिया। इस अवसर पर कपड़ा मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव समेत मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। 14 से 17 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाला 'भारत टेक्स 2026' देश की पूरी टेक्सटाइल वैल्यू चेन को एक वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर रहा है। इस एक्सपो का उद्देश्य भारत की टेक्सटाइल, इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को दुनिया के सामने रखना तथा अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देना है। उद्घाटन के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि यह 'भारत टेक्स' का तीसरा संस्करण है और इसकी शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के कारण हुई।

वर्ष 2025 तक ही 'भारत टेक्स' दुनिया के प्रमुख ग्लोबल टेक्सटाइल आयोजनों में शामिल हो चुका था।

गिरिराज सिंह ने भारत के बढ़ते व्यापारिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के 56 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं, जबकि पहले यह संख्या 19 थी। उन्होंने कहा कि भारत करीब 40 अन्य देशों के साथ भी अलग स्तर पर व्यापारिक सहयोग बढ़ा रहा है। कपड़ा मंत्री ने बताया कि वैश्विक टेक्सटाइल आयात बाजार करीब 900 अरब डॉलर का है और भारत के एफटीए समझौते 500 अरब डॉलर से अधिक के बाजार को कवर करते हैं। उन्होंने तकनीकी वस्त्रों को उभरता हुआ क्षेत्र बताते हुए कहा कि इसके विकास के लिए सरकार ने करीब 11 हजार करोड़ रुपये की पीएलआई योजना शुरू की है।

चीन का निर्यात चमका, एआई के बढ़ते इस्तेमाल से मांग मजबूत

» हांगकांग, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

चीन ने जून में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की मजबूत निर्यात वृद्धि दर्ज की है। कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग से उत्पन्न मजबूत वैश्विक मांग ने इस उछाल को बढ़ावा दिया। चीन के सीमा शुल्क विभाग के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि अर्थशास्त्रियों के अनुमान से कहीं बेहतर रही और मई की 19.4 प्रतिशत की वृद्धि को भी पीछे छोड़ दिया। इसी अवधि में, आयात में भी 36 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई, जो मई के 27.4 प्रतिशत से अधिक है। इलेक्ट्रिक वाहन, अन्य प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्यात में विशेष तेजी आई, जो एआई अपनाने की बढ़ती दर का परिणाम है। निर्यात आधारित विनिर्माण क्षेत्र की यह मजबूती देश में घरेलू उपभोग और निवेश में जारी कमजोरी के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित कर रही है।

भारत और स्पेन ने आपूर्ति श्रृंखलाओं और औद्योगिक साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए सहयोग पर की चर्चा

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पेन के उद्योग और पर्यटन मंत्री जॉर्डी हेरेउ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने व्यापार, निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, इनोवेशन, पर्यटन और भविष्य के लिए तैयार अन्य क्षेत्रों में भारत-स्पेन सहयोग को मजबूत करने के नए अवसरों पर चर्चा की।

अर्थव्यवस्था के यह मुख्य क्षेत्र विकास, प्रतिस्पर्धा और रोजगार पैदा करने में अहम भूमिका निभाते हैं। गोयल ने कहा, 'हमने भारत-ईयू एफटीए पर भी चर्चा की और दोनों देशों के आपसी फायदे के लिए औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करने, मजबूत सप्लाई चेन बनाने और आर्थिक सहयोग को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।'

इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि

भारत और स्पेन को अगले 10 सालों में अपने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को 10 गुना बढ़ाने पर विचार करना चाहिए।

गोयल ने कहा कि एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, मोबिलिटी, रेलवे, सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन, कला, विज्ञान और संस्कृति कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत और स्पेन के बीच बेहतर सहयोग हो सकता है।

भारत में थोक महंगाई दर जून में 9.87 प्रतिशत रही, ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में 27 प्रतिशत का इजाफा

» मुंबई, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

भारत में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई या थोक महंगाई दर जून में सालाना आधार पर 9.87 प्रतिशत रही है, जो कि मई में 9.68 प्रतिशत थी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई। सरकारी आंकड़ों में बताया गया कि डब्ल्यूपीआई की तीन मुख्य घटक प्राथमिक वस्तुओं, ईंधन एवं ऊर्जा और विनिर्मित वस्तुओं में जून में थोक महंगाई दर क्रमशः 7 प्रतिशत, 27.41 प्रतिशत और 7.48 प्रतिशत थी, जो कि मई में क्रमशः4.99 प्रतिशत, 30.33 प्रतिशत और 7.48 प्रतिशत थी। जून में थोक महंगाई दर उच्च स्तर पर रहने की वजह खनिज तेज (पेट्रोलियम उत्पाद सहित), खाद्य वस्तुओं, रसायनों और रासायनिक उत्पादों और बेसिक मेटल की मैन्युफैक्चरिंग की लागत बढ़ना था।

सरकार आंकड़ों के मुताबिक, जून में

खाद्य उत्पादों में थोक महंगाई दर 6.14 प्रतिशत रही है, जो कि मई में 4.49 प्रतिशत थी। कुल डब्ल्यूपीआई में खाद्य वस्तुओं की हिस्सेदारी 24.99 प्रतिशत है। इससे पहले, सरकार की ओर से खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए थे, जिसमें खुदरा महंगाई दर जून में सालाना आधार पर बढ़कर 4.38 प्रतिशत (अनंतिम) हो गई है, जो कि मई में 3.93 प्रतिशत (अंतिम) थी। मंत्रालय द्वारा जारी डेटा के मुताबिक, जून में ग्रामीण क्षेत्र में खुदरा महंगाई दर मई के 4.25 प्रतिशत से बढ़कर 4.74 प्रतिशत हो गई है।

ई20 एक व्यवहारिक ईंधन, भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका : डॉ. माशेलकर

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।

भारत के एथेनॉल-मिश्रित ई20 पेट्रोल प्रोग्राम का समर्थन करते हुए पद्म विभूषण से सम्मानित दिग्गज वैज्ञानिक डॉ. रघुनाथ अनंत माशेलकर ने मंगलवार को कहा कि एथेनॉल वैश्विक स्तर पर पहले ही एक व्यवहारिक परिवहन ईंधन साबित हो चुका है और यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

आईएएनएस से बातचीत में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक डॉ. माशेलकर ने एथेनॉल से चलने वाले वाहनों के मामले में ब्राजील के कई दशकों के अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि यह ईंधन पूरी तरह व्यवहारिक है।

उन्होंने कहा, 'ब्राजील में पिछले 30-40 वर्षों से वाहन एथेनॉल पर चल रहे हैं। यह अनुभव बताता है कि एथेनॉल एक व्यवहारिक ईंधन है।'\ रॉयल सोसाइटी के फेलो और केमिकल इंजीनियर डॉ. माशेलकर ने कहा कि एथेनॉल और अन्य स्वदेशी ईंधनों के उपयोग का विस्तार करने से भारत कच्चे तेल के आयात पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। पश्चिम एशिया में हालिया भू-राजनीतिक तनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में आने वाली बाधाएं इस बात का संकेत हैं कि भारत को घरेलू स्तर पर उत्पादित वैकल्पिक ईंधनों को तेजी से अपनाना चाहिए।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

आईजीएल कनेक्शन काटने की धमकी देकर 5.52 लाख रुपये ठगे

गाजियाबाद, यूटर्न/ 14 जुलाई । साइबर ठगों ने आईजीएल कनेक्शन कटने का डर दिखाकर गगन एन्क्लेव निवासी एक व्यक्ति के दो बैंक खातों से 5.52 लाख रुपये निकाल लिए। शातिरों ने लिंक भेजकर फोन हैक कर ठगी को अंजाम दिया। ठगी का पता चलने पर मामले में राजीव कुमार अग्रवाल ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। राजीव कुमार अग्रवाल ने दी शिकायत में बताया कि 27 मई को उनके पास एक अनजान नंबर से आईजीएल लिमिटेड नाम से एक मैसेज आया। मैसेज में बताया गया कि आईजीएल गैस कनेक्शन डिस्कनेक्ट कर दिया गया है। उन्होंने मैसेज में दिए गए नंबर पर संपर्क किया। जिससे बात हुई उसने अपना नाम राहुल अग्रवाल बताया। बातचीत में उन्हें आईजीएल कंपनी के नाम से एक लिंक भेजा और उसने बताया कि लिंक में दिए गए फॉर्म में जानकारी भरनी है।

कारोबारी के मकान से लाखों के सोने-हीरे के जेवरात चोरी

साहिबाबाद, यूटर्न/ 14 जुलाई । लिंकरोड थानाक्षेत्र के चंदन नगर ए-ब्लॉक निवासी किराना कारोबारी वरुण मित्तल के घर से चोरों ने लाखों के सोने-हीरे के जेवरात चुरा लिए। वारदात शनिवार रात को हुई। कारोबारी की पत्नी नीरू मित्तल की तहरीर पर पुलिस ने 13 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। दर्ज मामले में नीरू मित्तल ने बताया कि शनिवार शाम पूरा परिवार शादी समारोह में गया था। रात वापस आने पर सभी लोग अपने-अपने कमरे में सो गए। रविवार को जब सोकर उठा तब घर के मुख्य दरवाजे की जाली टूटी हुई देखी।

ताहिर हुसैन को दोषी करार दिए जाने के बाद कपिल मिश्रा बोले-एक्टर पकड़ा गया, डायरेक्टरों के साथ न्याय बाकी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में ताहिर हुसैन को दोषी ठहराए जाने का स्वागत किया। उन्होंने आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के पीछे एक बड़ी साजिश का आरोप लगाया और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा आम आदमी पार्टी के नेताओं पर आरोपी का समर्थन करने और हिंसा के दौरान कार्रवाई न करने का आरोप लगाया।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कपिल मिश्रा ने कहा कि कल न्यायालय का एक निर्णय आया है। कोर्ट के इस निर्णय की छह वर्ष से हम लोग प्रतीक्षा कर रहे थे। वर्ष 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा को खींचकर ताहिर हुसैन के घर में ले जाया गया था। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट बताती है कि अंकित शर्मा को 51 बार चाकुओं से गोदा गया। उनकी मौत हो जाने के बाद भी ताहिर हुसैन और उसके जैसे लोग अंकित शर्मा के शव पर चाकुओं से वार करते रहे। पूरी तरह से क्षतविक्षत शव को नाले में फेंक दिया गया था। कपिल मिश्रा ने कहा कि वारदात के दो दिन बाद नाले से जब अंकित शर्मा के शव को निकाला गया तो उस दर्दनाक दृश्य को पूरे देश ने देखा। इस हत्या में ताहिर हुसैन शामिल है; कल न्यायालय ने साबित किया है और उसको दोषी करार दिया है। यह 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' मर्डर है। ताहिर हुसैन और उसके साथियों के द्वारा दिल्ली में भयानक साजिश रची गई थी। मेरा मानना है कि ताहिर हुसैन एक एक्टर है; इस पूरे घटनाक्रम के डायरेक्टर कोई और लोग हैं। उमर खालिद को बचाने के लिए आज भी नैरेटिव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही लोगों ने हथियार लेकर सड़क पर निकलने के लिए लोगों को भड़काया। जिन लोगों ने सड़के बंद की थी, उन्हीं लोगों ने आग लगाई, दंगे किए और हत्याएं कीं। उन्हीं में से एक ताहिर हुसैन और उसके साथी थे। दिल्ली दंगा हिंदुओं की हत्या का साजिश था। हिंदू व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर हमले किए गए और उनको जलाया गया। हिंदुओं को पलायन कराने की साजिश रची गई और उस साजिश की एक घटनाक्रम अंकित शर्मा की हत्या थी। इस मामले में और भी लोग शामिल हैं।

कपिल मिश्रा ने कहा कि अभी केवल एक्टर पकड़ा गया है। दिल्ली दंगों के डायरेक्टरों के साथ न्याय करना बाकी है। कुछ न्याय न्यायालय में किए जाएंगे और कुछ न्याय ईश्वर की अदालत में होंगे। दिल्ली के साथ इतना बड़ा पाप किया गया है, इसका पूरा न्याय होना बाकी है।

कपिल मिश्रा ने कहा कि आज मैं कुछ सवाल पूछना चाहता हूं कि जो सनातनी बनने का, सुंदरकांड पढ़ने का ढोंग करते हुए घूम रहे हैं। मैं आज उनसे पूछना चाहता हूं कि उस वक्त केजरीवाल की सरकार थी।

तब अरविंद केजरीवाल और उनके उपमुख्यमंत्री ने सड़कों को बंद करने वालों का क्यों समर्थन किया? केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के हाथ हिंदुओं के खून से रंगे हुए हैं। संजय सिंह की ओर से ताहिर हुसैन को बेगुनाह कहने का पाप किया गया। आखिर क्यों अंकित शर्मा की हत्या के खिलाफ मुख्यमंत्री के तौर पर अरविंद केजरीवाल एक भी शब्द नहीं बोले, उन्होंने एक भी बयान नहीं दिया।

कपिल मिश्रा ने कहा कि केजवाल सरकार का कोई भी मंत्री किसी हिंदू पीड़ित के घर नहीं गया। आज मेरा कहना है कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, और उनकी पूरी पार्टी और गैंग ने अप्रत्यक्ष तौर पर दंगाइयों का समर्थन किया है और उनको बचाने का पाप किया है।

कमरे से डॉक्टर के छह लाख चोरी, किरायेदारों पर आरोप

» **साहिबाबाद, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

टीलामोड़ थानाक्षेत्र के भोपुरा स्थित गगन विहार सी-ब्लॉक में संचालित क्लीनिक के मालिक डॉ. सुरेश भारद्वाज ने अपने किरायेदारों पर छह लाख रुपये चोरी करने का आरोप लगाया है। चोरी क्लीनिक के ऊपर बने कमरे से हुई। उन्होंने एक सब्जी विक्रेता वीरसिंह को किराये पर दिया था। मामला 10 जून से 4 जुलाई के बीच का है, पुलिस ने 13 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में चिकित्सक सुरेश भारद्वाज ने बताया कि वह मूलरूप से लोनी बॉर्डर थानाक्षेत्र के इंद्रापुरी निवासी हैं। बताया कि भोपुरा स्थित गगन विहार में भी उनका मकान है। यहां नीचे उनका क्लीनिक है और ऊपरी मंजिल पर दो कमरे हैं। एक कमरा सब्जी बेचने वाले वीर सिंह ने किराये पर लिया है। वहीं, दूसरा कमरा भी किराये पर है। बताया कि वीर सिंह के कमरे की दो चाभी हैं। 10 जून को उन्होंने अपनी एक प्रॉपर्टी बेचकर छह लाख रुपये वीरसिंह के कमरे में ही रखे थे। 4 जुलाई को जब वह वापस कमरे में रुपये लेने पहुंचे तब रकम गायब मिली। उन्होंने पूछताछ की, लेकिन वीर सिंह व उसके साथी ने कुछ जानकारी से इन्कार कर दिया। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश चल रही है..

टैंकर-पुलिस गाड़ी की जोरदार भिड़ंत: गुरुग्राम में दो पुलिसकर्मियों की गई जान, तीसरे की हालत नाजुक

गुरुग्राम, यूटर्न/ 14 जुलाई । गुरुग्राम में एक भीषण सड़क हादसे में दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना फर्रुखनगर के खेड़ा खुमुर्पुर के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार टैंकर और पुलिस की ईआरवी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुलिस की गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार, ईआरवी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल छोटेलाल और अनिल गश्त पर थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक टैंकर ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण ईआरवी के परखच्चे उड़ गए और दोनों हेड कॉन्स्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों और पुलिस ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन तब तक दोनों पुलिसकर्मियों की मौत हो चुकी थी।

वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन निवेश और बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले 12 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 14 जुलाई । साइबर थाना एनआईटी पुलिस ने सात अलग-अलग साइबर ठगी के मामलों में रविवार को 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन ट्रेडिंग, पीजी सर्च, पानी का कनेक्शन काटने की धमकी और शेयर बाजार में निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोहों को सहयोग देने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, पहली कार्रवाई में वर्क फ्रॉम होम के नाम पर 47,594 रुपये की ठगी के मामले में राजस्थान के दौसा निवासी अभिषेक मीणा को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उसने शिकायतकर्ता से संपर्क कर ठगी की रकम अपने परिचित के खाते में भिजवाई थी। दूसरे मामले में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 91.50 लाख रुपये की ठगी में बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले राजस्थान के उदयपुर निवासी उमेश कुमार सरगरा को गिरफ्तार किया गया। तीसरे मामले में जानकार बनकर 1.90 लाख रुपये की ठगी के आरोप में चित्तौड़गढ़ निवासी रतनलाल को पकड़ा गया।

6 लोगों के गिरोह ने चोरी किया था ट्रांसफार्मर, एक गिरफ्तार

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 14 जुलाई । थानाक्षेत्र के कनावनी में सात जुलाई की देर रात बिजली ट्रांसफार्मर चोरी के मामले का एक आरोपी 13 जुलाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी गाजियाबाद के कोतवाली स्थित कैला भट्टा निवासी मोहम्मद दानिश कुरैशी है। उसके पास से ट्रांसफार्मर के 4 टुकड़े, तार, तेल और गैस कटर बरामद किया है। वहीं, पुलिस की पूछताछ में उसने अपने पांच अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि 12 जुलाई को ऊर्जा निगम के ठेकेदार घनश्याम शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने ट्रांसफार्मर चोरी का मामला दर्ज किया था। वारदात की सीसीटीवी कैमरा फुटेज भी जांच में सामने आई। उसमें कार और पिकअप को ट्रेस करते हुए पुलिस आरोपी मोहम्मद दानिश कुरैशी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि चोरी में उसके साथ पांच अन्य लोग भी शामिल थे। इनमें पसौंडा का आमिर, कोतवाली क्षेत्र का भूरा उर्फ रेहान, इरशाद उर्फ सल्लू, बल्लू और वेब सिटी के डासना निवासी जावेद है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि चोरी के बाद सभी ने मिलकर ट्रांसफार्मर को काट दिया था। एसीपी ने बताया कि बाकी आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जुटी है। जल्द गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास बीएस की टक्कर से ई रिक्शा में सवार छात्रा की मौत, चालक गिरफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास मंगलवार को हुए एक सड़क हादसे में 12 वर्षीय स्कूली छात्रा की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने स्कूल बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

आदर्श नगर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना की सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष के माध्यम से मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। शुरूआती जांच में पता चला कि स्कूल बस और एक ई-रिक्शा की टक्कर हो गई। हादसे के समय ई-रिक्शा में स्कूली बच्चे सवार थे।

जांच में सामने आया कि स्कूल बस को 55 वर्षीय कमल सिंह चला रहा था, जो बुराड़ी स्थित कौशिक एन्क्लेव का निवासी है। वहीं, ई-रिक्शा 45 वर्षीय अजय प्रसाद चला रहा था, जो मुकुंदपुर के मस्जिद चौक के पास रहता है। टक्कर के दौरान ई-रिक्शा में सवार 12 वर्षीय प्रियांशी सड़क पर गिर गई। इसके बाद वह स्कूल बस की चपेट में आ गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

घटना के तुरंत बाद घायल छात्रा को जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम स्मारक अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में किसी अन्य बच्चे या व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।

घटना की जानकारी मिलते ही अपराध जांच दल और न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल स्कूल बस और ई-रिक्शा को कब्जे में ले लिया है। छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में सुरक्षित रख दिया गया है। पुलिस ने स्कूल बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

किराये पर गाड़ी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा, चार गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 14 जुलाई । किराये पर गाड़ी उपलब्ध कराने का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का साइबर थाना सेंट्रल पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में गगन निवासी लुधियाना (पंजाब), विशाल निवासी आगरा (उत्तर प्रदेश), प्रवीण निवासी धौलपुर (राजस्थान) और मुकेश शर्मा निवासी मानसरोवर (दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो कॉलर की भूमिका में थे, जबकि दो ने ठगी की रकम मंगाने के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराए थे। पुलिस ने ठगी की पूरी राशि बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार, सेक्टर-29 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि 26 जून को उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को ट्रांसपोर्टर बताते हुए किराये पर गाड़ी उपलब्ध कराने की बात कही।

दिल्ली में 2.47 लाख की साइबर धोखाधड़ी के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

साइबर पुलिस स्टेशन, नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट ने 'ब्लू डार्ट' कोरियर डिलीवरी के बहाने 2.47 लाख की धोखाधड़ी के मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। धोखाधड़ी से हासिल रकम को निकालने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'म्यूल बैंक अकाउंट' (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले खाते) चलाने वाले मो. अरबाज दानियाल उर्फ लब्बू, जिमी बथला, अब्दुल वदूद और अनिकेत वर्मा को गिरफ्तार किया गया है। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के बाबरपुर निवासी और दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड के डिप्टी जनरल मैनेजर सतेंद्र की शिकायत पर 16 जून को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, सतेंद्र को एक का फोन आया, जिसने खुद को 'ब्लू डार्ट' कूरियर एग्जीक्यूटिव बताकर पार्सल की डिलीवरी के बारे में बात की। कॉलर ने धोखे से उन्हें एक नंबर डायल करने और अपने मोबाइल फोन पर कॉल और मैसेज फॉरवर्डिंग चालू करने के लिए मना लिया। नतीजतन, बैंकिंग ओटीपी सहित सभी इनकमिंग कॉल और एसएमएस धोखेबाजों के कंट्रोल वाले नंबरों पर डायवर्ट हो गए, जिससे वे शिकायतकर्ता के बैंक खाते से 2.47 लाख रुपये धोखाधड़ी से निकालने में कामयाब हो गए। ६साइबर टीम ने शिकायत की जांच बहुत बारीकी से की गई, जिसमें फाइनेंशियल एनालिसिस, टेक्निकल सर्विलांस और फील्ड इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया। मनी ट्रेल की जांच के दौरान जांचकताओं को पता चला कि ठगी गई रकम का एक हिस्सा 80,000 रुपये आरोपी मो. अरबाज दानियाल उर्फ लब्बू के नैनीताल बैंक खाते में जमा किया गया था। आगे की जांच से पता चला कि यह खाता जानबूझकर साइबर फ्रॉड से मिली रकम को लेने और ट्रांसफर करने के लिए 'म्यूल बैंक अकाउंट' के तौर पर खोला गया था।

'मैं वर्जिन हूं...' कहकर शिल्पा शिंदे ने उड़ाया शिवांगी जोशी का मजाक, 'लॉक अप 2' के नए एपिसोड पर मचा बवाल

रियलिटी शोज में अक्सर कंटेस्टेंट्स के बीच तकरार, मजाक और तीखी नोकझोंक देखने को मिलती है। इस कड़ी में 'लॉक अप सीजन 2' में किसी न किसी कंटेस्टेंट के बीच बहस देखने को मिल रही है। अब शो के हालिया एपिसोड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री शिल्पा शिंदे और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेया कालरा, टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी की मिमिक्री करती नजर आ रही हैं।

इस दौरान शिल्पा ने शिवांगी की वर्जिनिटी को लेकर भी टिप्पणी की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं।

हालिया एपिसोड में शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा एक साथ बैठकर शिवांगी जोशी की नकल उतारती दिखाई देती हैं। वीडियो में शिल्पा, शिवांगी के बोलने के अंदाज की मिमिक्री करते हुए कहती है, 'अरे यार, मेरे पास तो कोई सीक्रेट ही नहीं है। कितना एक्ट करूं? मैं बहुत इनोसेंट हूं। मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं वर्जिन हूं। मैं शादी के बाद ही करूंगी।'

शिल्पा के मिमिक्री अंदाज पर श्रेया भी हंसने लगती हैं, और फिर वह अभिनेता हर्षद चोपड़ा की मिमिक्री करते हुए कहती हैं, 'शिवांगी, तुम क्या सोच रही हो?' इसके बाद वह खुद ही शिवांगी के अंदाज में जवाब देती हैं, 'पता नहीं, लेकिन जब ये सीक्रेट रिवील होगा ना, तब मैं बहुत हंसूंगी, क्योंकि इसमें था ही कुछ नहीं।' दरअसल, यह पूरा वाकया तब हुआ जब शिल्पा और श्रेया ने कुछ दूरी पर खड़े शिवांगी जोशी और हर्षद चोपड़ा को आपस में बातचीत करते देखा। दोनों ने उसी बातचीत को आधार बनाकर उनकी मिमिक्री शुरू कर दी। हालांकि, इस दौरान शिवांगी ने उनकी बातों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यह पहली बार नहीं है जब शिल्पा शिंदे का व्यवहार शिवांगी जोशी को लेकर चर्चा में आया हो। इससे पहले भी एक एपिसोड में शिल्पा ने कंट्रोलर के रूप में शिवांगी को हर्षद चोपड़ा से कम बात करने का ऑर्डर दिया था।

विद्या बालन याद किया संघर्ष के दिन

बॉलीवुड में ऐसे बहुत से चेहरे हैं, जिन्होंने अपने जीवन में बहुत नाम और पैसा कमाया है, लेकिन उनका अतीत बहुत परेशानियों से भरा रहा है। इन्हीं में से एक हैं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री विद्या बालन, जिनका शुरूआती जीवन चुनौतियों से भरा रहा। शुरूआती दिनों में उन्हें साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। एक बड़े विवाद के बाद उन्हें बदकिस्मत और मनहूस बताकर निशाना बनाया गया और सिर्फ इसी बात की वजह से उन्हें 12 फिल्मों से बाहर कर दिया गया। हालांकि, बहुत चुनौतियों के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत व प्रतिभा के दम पर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई। विद्या बालन ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के शुरूआती दिनों के संघर्षों का जिक्र करते हुए बताया था कि उन्हें इंडस्ट्री में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने खुलासा किया कि साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल और निर्देशक कमल के साथ वह एक फिल्म कर रही थीं, लेकिन मेकर्स और एक्टर के बीच हुए एक विवाद की वजह से फिल्म की शूटिंग बीच में ही बंद हो गई, जिसके बाद इसका सारा इल्जाम विद्या बालन के सिर पर आ गया।

तुम्बाड 2 की रहस्यमयी दुनिया का हिस्सा बनना सपने के सच होने जैसा

आलिया भट्ट

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री आलिया भट्ट अब कल्ट फिल्म 'तुम्बाड' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने जा रही हैं। फिल्म में आलिया एक अहम किरदार निभाएंगी। इस घोषणा के बाद उन्होंने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि वह लंबे समय से 'तुम्बाड' की दुनिया से प्रभावित रही हैं और अब उसी दुनिया का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास अनुभव है। आलिया भट्ट ने कहा, ''तुम्बाड' उन चुनिंदा फिल्मों में से एक है, जो दर्शकों के मन में लंबे समय तक अपनी जगह बनाए रखती हैं। इस फिल्म को देखने के बाद से ही यह मेरे दिल और दिमाग में बसी हुई है। बहुत कम फिल्में ऐसी होती हैं, जो अपनी अनोखी दुनिया रचती हैं और दर्शकों को पूरी तरह उसमें डुबो देती हैं। इससे भी कम फिल्में ऐसी होती हैं, जो रिलीज के कई साल बाद भी लोगों की कल्पनाओं में जिंदा रहती हैं। यही बात इस फिल्म से जुड़ने के मौके को मेरे लिए इतना रोमांचक बनाती है।' आलिया ने आगे कहा, ''अब इस रहस्यमयी दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है।

आकांक्षा चमोला का बड़ा बयान

लॉक अप सीजन 2 के प्रीमियर के दौरान आकांक्षा चमोला ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था कि उनका और गौरव खन्ना का रिश्ता अब तलाक की तरफ बढ़ रहा है। एक्ट्रेस के इस बयान ने सभी को चौंका दिया था और शो के घर में भी इस विषय पर चर्चा शुरू हो गई थी। कई कंटेस्टेंट्स उनसे उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर बात करते नजर आए। आकांक्षा ने कहा था कि वह पहली बार राष्ट्रीय टेलीविजन पर अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी इतनी बड़ी जानकारी साझा कर रही हैं। शो के नौवें एपिसोड में उन्होंने यह भी बताया कि तलाक के बाद वह अपनी जिंदगी को किस तरह नए सिरे से आगे बढ़ाने की योजना बना रही हैं। पहले आकांक्षा ने सबके सामने तलाक की घोषणा की थी और अब उन्होंने दूसरी कंटेस्टेंट पामेला सेरेना के साथ अपनी दिल की बात शेयर की है। उन्होंने अपना दुख बताते हुए कहा कि मेरी शादी बहुत ही कम उम्र में हो गई थी, उस समय वह 24 साल की थीं। इसके बाद पामेला ने उन्हें कहा कि तुम अभी जवान हो, तुम्हें तो कोई भी मिल सकता है। इस पर आकांक्षा ने अपने भविष्य के बारे में बात की और कहा कि अब वह दोबारा शादी नहीं करना चाहती हैं..

रोहित, बुमराह और कुलदीप की वापसी से टीम इंडिया मजबूत होगी: अभिषेक नायर

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा की वापसी से भारत की बल्लेबाजी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि रोहित का अनुभव और शॉर्ट-पिच गेंदबाजी के खिलाफ उनकी कामयाबी का असर तुरंत दिखेगा। अभिषेक नायर ने जियोस्टार पर कहा, 'टी20 सीरीज में भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती शॉर्ट पिच गेंद थी। रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जो शॉर्ट-पिच गेंदबाजी का बखूबी फायदा उठाते हैं और उस पर खूब रन बनाते हैं। अगर

आप विदेशी पिचों पर अच्छा खेलते हैं, तो इसकी एक वजह यह है कि आप तेज गेंदबाजी का अच्छे से सामना कर सकते हैं और शॉर्ट गेंद पर रन बना सकते हैं। भारत को शुभमन गिल और रोहित शर्मा दोनों से यही मिलेगा।' नायर को लगता है कि रोहित की मौजूदगी ही इंग्लैंड को अपनी गेंदबाजी की रणनीति बदलने पर मजबूर कर सकती है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड को अपनी रणनीति बदलनी होगी और उनके खिलाफ अलग तरह से गेंदबाजी करनी होगी। बड़े खिलाड़ी यही करते हैं, वे अपने खेलने का तरीका नहीं बदलते, बल्कि विरोधी टीम को उन्हें टारगेट करने का तरीका बदलने पर मजबूर कर देते हैं। रोहित की वापसी से भारत को निश्चित रूप से फायदा होगा। जब आप बड़ी सीरीज और बड़े टूर्नामेंट में जाते हैं, तो अनुभव आपको आत्मविश्वास देता है।'

फोटो स्टोरी

साउथपोर्ट में जो डींस ओपन चैम्पियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट में जीत हासिल करने के बाद ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

परमाणु कचरे के रिसाव के खतरे से दुनिया भर में चिंता

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई । दशकों पहले अमेरिकी परमाणु परीक्षणों के बाद रेडियोधर्मी कचरे को सुरक्षित रखने के लिए निर्मित प्रशांत महासागर में स्थित मार्शल द्वीप समूह के रुनिट डोम को लेकर दुनिया भर में जताई चिंता जताई जा रही है। वैज्ञानिक समुदाय इस विशाल कंक्रीट गुंबद में बढ़ती दरारों और समुद्र के बढ़ते जलस्तर के कारण संभावित रिसाव को लेकर लगातार गंभीर चेतावनियाँ जारी कर रहा है। विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस समस्या को समय रहते गंभीरता से नहीं लिया गया और आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो इसका गंभीर और दीर्घकालिक असर न केवल समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ेगा, बल्कि स्थानीय आबादी के स्वास्थ्य और आजीविका पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है।

यूएई ने टैंकरों पर ईरान के 'दुस्साहसिक' हमले की कड़ी निंदा की

दुबई, यूटर्न/ 14 जुलाई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सोमवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने दो तेल टैंकरों पर हुए कथित ईरानी मिसाइल हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'दुस्साहसिक हमला' और अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी मालवाहक जहाजों पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। यूएई के अनुसार, कथित हमले में एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई गई है।

पाकिस्तान में भारी बारिश के दौरान घर गिरने से नौ लोगों की मौत, 14 घायल

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 14 जुलाई । पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में भारी बारिश के दौरान एक रिहायशी मकान ढहने से नौ लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रेस्क्यू 1122 के एक अधिकारी ने सोमवार देर रात बताया कि जिले के लाची इलाके के मालगिन में भारी बारिश के कारण एक घर ढह गया, जिससे 23 लोग मलबे के नीचे दब गए।

होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय क्रू मेंबर की मौत पर भारत सख्त ईरान के सामने उठाया सुरक्षा का मुद्दा: विदेश मंत्रालय

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

विदेश मंत्रालय ने ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज स्ट्रेट के पास हुए हमले में एक भारतीय क्रू मेंबर की मौत पर गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि भारत ने इस घटना पर ईरान के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसे हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ईरान के उप मिशन प्रमुख को तलब किए जाने के बाद हमने एक आधिकारिक बयान जारी किया था। हमने उनके सामने अपनी गहरी चिंता जताई और जो घटना हुई, उसकी कड़ी निंदा की।

उन्होंने कहा कि इस हमले में हमने एक अनमोल भारतीय नागरिक को खो दिया। कई भारतीय नागरिक घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है।

जायसवाल ने बताया कि हमने इस मामले पर ईरानी पक्ष के सामने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और साफ कहा कि जिन हमलों की हमने निंदा की है, उन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए।

ओमान के समुद्र क्षेत्र में होर्मुज स्ट्रेट में दो ईरानी क्रूज मिसाइलों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दो टैंकरों को निशाना बनाया। अमीरात न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि ईरानी हमले में एक भारतीय क्रू मेंबर की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

रिपोर्ट के अनुसार, मोम्बासा और अल बहियाह नामक दोनों टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी मार्ग से गुजर रहे थे। हमले के दौरान दोनों टैंकर प्रभावित हुए।

हमले में मोम्बासा पर सवार एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हुए। इनमें चार की हालत गंभीर बताई गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, घायलों में छह भारतीय और दो यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि आज सुबह मंत्रालय ने नई दिल्ली में ईरान दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन को तलब किया और इन हमलों के खिलाफ उनके सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

६मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र में कमर्शियल शिपिंग और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए, ताकि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार इस क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से स्वतंत्र और निर्बाध आवागमन और व्यापार को जल्द से जल्द बहाल किया जा सके।

ईरान युद्ध तेज होने के साथ ही अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति पर संकट के बादल

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

अमेरिका के प्रमुख हथियारों के भंडार पर गहरा संकट गहरा रहा है, जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों के इसी रफ्तार से जारी रहने पर और बिगड़ सकता है। इससे दुनिया में अन्य जगहों पर भविष्य के संघर्षों से निपटने की उसकी क्षमता को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। यह चेतावनी ऐसे समय में आयी है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दोहराया कि ईरान के साथ युद्धविराम 'समाप्त' हो गया है, जिससे इस संघर्ष के जारी रहने की आशंकाओं को बल मिला है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि लंबे समय तक चलने वाले अभियानों से अन्य क्षेत्रों, विशेष रूप से हिंद-प्रशांत में अमेरिका की तैयारियों पर असर पड़ सकता है।

होर्मुज पर ट्रंप ने ठोका दावा बोले- हम वसूलेंगे 20 फीसद टैक्स

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 14 जुलाई । मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने ऐलान किया है कि अमेरिका विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग, हॉर्मुज स्ट्रेट पर पूरा नियंत्रण ले लेगा और वहां से गुजरने वाले सभी कार्गो पर 20 प्रतिशत की दर से शुल्क वसूलेगा। यह शुल्क सुरक्षा प्रदान करने के एवज में लिया जाएगा। ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा, हम स्ट्रेट को अपने कब्जे में रखेंगे, शायद इसे खुद चलाएंगे भी। हम इसके रखवाले बनेंगे, और हमें इसके लिए पूरा रीइंबर्समेंट मिलना चाहिए। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर भी इस फैसले की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, हॉर्मुज स्ट्रेट खुला है और ईरान के साथ या उसके बिना भी खुला रहेगा। हम ईरानी नाकाबंदी को तोड़ रहे हैं और अमेरिकी नाकेबंदी फिर से लागू कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि इस अस्थिर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान करने का खर्च वसूलने के लिए यहां से गुजरने वाले सभी कार्गो से 20 प्रतिशत की दर से शुल्क लिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा, अन्य देश बहुत अमीर हैं। वे हमारे साथ हैं। हमें मुफ्त में यह सेवा नहीं देनी चाहिए। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब खाड़ी क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से ईरान और अमेरिका के बीच भारी गोलीबारी हो रही है, जिससे तनाव चरम पर है। शनिवार को ईरान ने हॉर्मुज को फिर से बंद करने की घोषणा की थी और दावा किया था कि बिना अनुमति के कोई भी जहाज वहां से गुजर नहीं सकता।

ट्रंप का बड़ा दावा- मोजतबा 90 फीसदी खत्म अब कुछ नहीं बचा

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बेहद विवादास्पद और बड़ा बयान सामने आया है। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई 90 फीसदी खत्म हो चुके हैं। इस बयान के साथ ही ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता पर भी बड़ा हमला बोला, यह कहते हुए कि ईरान पहले ही अपनी नौसेना, वायुसेना, वायु रक्षा प्रणाली और अपने शीर्ष सैन्य कमांडरों को खो चुका है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका के साथ जारी संघर्ष के दौरान ईरान की सैन्य शक्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। यह दावा ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच मिसाइल और ड्रोन हमलों का सिलसिला तेज हो गया है, जिससे दोनों देशों के बीच पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

मोजतबा खामेनेई का जिक्र करते हुए ट्रंप ने फॉक्स न्यूज पर कहा कि ईरान के बड़े-बड़े नेता जा चुके हैं, और अब उनके बेटे भी 90 फीसदी खत्म हैं। गौरतलब है कि अपने पिता की मृत्यु के बाद मोजतबा को ईरान का अगला सुप्रीम लीडर नामित किया गया था। हालांकि, पिछले काफी समय से वे सार्वजनिक जीवन से नदारद हैं, और यहाँ तक कि अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हुए थे, जिससे उनकी नामौजूदगी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, मोजतबा खामेनेई को कथित तौर पर अमेरिकी हमले में गहरी चोटें लगी हैं और वे इससे उबरने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप का यह बयान होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रहे संघर्ष के बीच आया है, जहां ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर हमले कर और शिपिंग कंपनियों को डराकर अपने दबदबे को बनाए रखने का प्रयास किया है। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने हाल ही में ईरान पर दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया, जिसमें एयर डिफेंस सिस्टम, रडार केंद्र, मिसाइल और ड्रोन संबंधी उपकरण शामिल थे। हालांकि, ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अमेरिका के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य उनका क्षेत्र है, जिस पर वे किसी बाहरी शक्ति को हस्तक्षेप नहीं करने देंगे।

2014 में शेख हसीना से मुलाकात कर निष्पक्ष चुनाव का महत्व बताया था: पूर्व सीईसी एस.वाई. कुरैशी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एसवाई कुरैशी ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2014 में उन्होंने बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात कर उन्हें चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता बनाए रखने के महत्व के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि शुरूआत में शेख हसीना इस विषय पर कुछ रक्षात्मक रुख में थीं, लेकिन उन्होंने उनकी बातों को गंभीरता से सुना। आईएएनएस से विशेष बातचीत में कुरैशी ने बताया कि वर्ष 2014 में वह सेवानिवृत्त हो चुके थे और एक व्याख्यान के सिलसिले में बांग्लादेश गए थे। इसी दौरान भारत में तत्कालीन बांग्लादेशी उच्चायुक्त ने उनसे अनुरोध किया कि यदि उनकी शेख हसीना से मुलाकात हो तो वे उन्हें चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और स्वतंत्रता के महत्व के बारे में अवश्य बताएं। उन्होंने कहा, '2014 में मुझे सेवानिवृत्त हुए दो साल हो चुके थे। मैं एक व्याख्यान के लिए बांग्लादेश जा रहा था। तब भारत में बांग्लादेश के तत्कालीन उच्चायुक्त ने मुझसे कहा कि यदि आपकी शेख हसीना से मुलाकात हो तो उन्हें चुनाव आयोग के महत्व और उसकी विश्वसनीयता के बारे में जरूर बताइए। यह एक महत्वपूर्ण बात थी।' कुरैशी ने बताया कि इसके बाद उन्होंने शेख हसीना से शिष्टाचार मुलाकात का समय मांगा, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। वह उस समय बांग्लादेश में भारत के तत्कालीन उच्चायुक्त पंकज सरन के साथ उनसे मिलने पहुंचे, जबकि शेख हसीना अपने सात वरिष्ठ सलाहकारों के साथ बैठक में मौजूद थीं।

यूरोप में गर्मी: जून के आखिरी सप्ताह में 10 हजार से अधिक लोगों की मौत

» **लंदन, यूटर्न/ 14 जुलाई ।**

यूरोप में जून के अंत में पड़ी रिकॉर्ड-तोड़ गर्मी का विनाशकारी प्रभाव अब मौतों के आंकड़ों में भयावह रूप से दिखाई दे रहा है। 22 से 28 जून के बीच, 27 यूरोपीय देशों में कुल 10,650 अतिरिक्त मौतें दर्ज की गईं, जो इस क्षेत्र के लिए एक असामान्य और चिंताजनक आंकड़ा है। इन मौतों में से 9,000 से अधिक मौतें 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की थीं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देती हैं कि भीषण गर्मी ने विशेष रूप से कमजोर आबादी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि साल के इस समय इतनी बड़ी संख्या में अतिरिक्त मौतें होना बिल्कुल भी सामान्य नहीं है और इसका सबसे बड़ा कारण उस दौरान पड़ने वाली अभूतपूर्व हीटवेव ही हो सकती है। ये आंकड़े 27 यूरोपीय देशों से एकत्र किए गए कुल मौतों के रिकॉर्ड पर आधारित हैं, जिनमें सभी कारणों से हुई अतिरिक्त मौतें शामिल हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि उस विशेष अवधि के दौरान ऐसा कोई अन्य बड़ा कारण सामने नहीं आया जिससे मौतों का आंकड़ा अचानक इस हद तक बढ़ जाता। इसलिए, व्यापक रूप से यही माना जा रहा है कि रिकॉर्ड-तोड़ हीटवेव ही इस डेथ स्पाइक की मुख्य वजह थी। वैज्ञानिकों ने बार-बार चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अब हीटवेव पहले के मुकाबले ज्यादा बार आ रही हैं और उनकी तीव्रता भी बढ़ गई है, जिससे वे कहीं अधिक खतरनाक हो गई हैं। जून के अंतिम सप्ताह में फ्रांस, स्पेन, ब्रिटेन और यूरोप के कई अन्य देशों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बनाए।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *